हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla

संविधान दिवस के रूप में 26-11-2016 को
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती का आयोजन

सचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के पत्र संख्या-48-1/2013-आईसीएफआरई दिनांक 24/11/2016 तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या-23011/40/2016-जीसी दिनांक 17 नवम्बर, 2016 के द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में संस्थान द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 2016 को **संविधान दिवस** मनाया गया जिसमें संस्थान के समस्त अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष डॉ के.एस.कपूर ने संस्थान के निदेशक डॉ.वी.पी.तिवारी को इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करने तथा भारत के संविधान की "**उद्देशिका**" (**Preamble**) पढ़ने हेतु आमंत्रित किया। निदेशक महोदय एवं सभागार में उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारियों ने भारत के संविधान की "**उद्देशिका**" पढ़ी।

निदेशक ने अपने संबोधन में देश के सर्वांगीण विकास के लिए डॉ बी आर अम्बेडकर के बहुमूल्य योगदान का वर्णन करते हुए उन्हें याद किया। उन्होंने संविधान सभा एवं प्रारूप समिति द्वारा भारतीय संविधान निर्माण हेतु किए गये अथक प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान के विभिन्न खण्डों एवं अनुच्छेदों में उल्लिखित विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यकतानुसार समय-2 पर किए गए महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयकों का भी उल्लेख किया।

कार्यालयाध्यक्ष ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ बी.आर.अम्बेडकर के जीवनकाल पर प्रकाश डाला तथा समाज के प्रति किए गए उनके कार्यों एवं उनकी उपलब्धियों पर चर्चा की। तदुपरांत उन्होंने श्री प्रदीप भारद्वाज, उप-अरण्यपाल से उनके विचार सांझा करने हेतु आग्रह किया। श्री प्रदीप भारद्वाज, उप-अरण्यपाल ने **डॉ. अम्बेडकर** के कार्यों तथा उपलब्धियों की सराहना करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। एचएफआरईयू एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेन्द्रपाल भाटिया ने इस अवसर पर समाज में प्रतिष्ठा और अवसर की समानता को लेकर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अंत में डॉ के एस कपूर, कार्यालयाध्यक्ष ने औपचारिक **धन्यवाद प्रस्ताव** प्रस्तुत किया।

संविधान दिवस : 26 नवम्बर, 2016 की कुछ झलकियाँ